DATE 7.10.24
PAGE No 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ- रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-8 आसमान से ऊँचे हौसले)-2
शेष भाग
पुस्तक- नवतरंग-4

सुप्रभात बच्चो!

आज हम कक्षा- चौथी की पुस्तक नवतरंग के पाठ-8 'आसमान से ऊँचे हौसले' के शेष भाग को पढ़ेंगे। सब बच्चे अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें। मैं पाठ पढ़ाते समय प्रश्न पूछती जाऊँगी। आप ध्यान पूर्वक पाठ को सुनेंगे।

नीलांश ने ताई जी से पूछा- ताईजी, इतनी कामयाबी पाने के लिए अर्जुन वाजपेयी बचपन से ही अभ्यास करते होंगे ना! ताईजी ने नीलांश को बताया कि अर्जुन वाजपेयी ने स्वयं बताया है कि उनकी दिनचर्या बहुत नियमित है। वह सुबह चार बजे उठकर ध्यान और प्राणायाम करते हैं। प्रतिदिन जिम जाते हैं। 70-80 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं। ताईजी के मुख से 70-80 किलोमीटर साइकिल चलाने की बात सुनकर नीलांश हैरान रह गया। साथ ही ताईजी ने उनकी 'आर्टिफ़िशियल क्लाइंबिंग' के बारे में भी बताया। तभी शिवि बोल पड़ी- क्या वह थकते नहीं हैं? शिवि की बात का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- जिनके हौसले ऊँचे होते हैं, वे कभी थकते नहीं हैं। माउंट एवरेस्ट को फतह करने के बाद से तो अर्जुन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कंचनजंगा, ल्होत्से, मनास्लू, चोयु, मकालू और अन्नपूर्णा चोटियों पर चढ़ने का गौरव भी प्राप्त किया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कंचनजंगा की चढ़ाई तो उन्होंने 'अल्पाइन स्टाइल' में की।

नीलांश ने हैरान होकर पूछा- 'अल्पाइन स्टाइल! यह क्या होता है ताईजी? ताईजी ने बताया- बिना

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No. 2

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ- रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 'आसमान से ऊँचे हौसले')

ऑक्सीजन सिलेंडर के तथा बिना शेरपा की मदद लिए उन्होंने कंचनजंगा की चढ़ाई की। तभी नीलांश बोल पड़ा कि हाँ! हमारी शिक्षिका ने बताया है कि कंचन-जंगा विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है। यहाँ सबसे ज्यादा हिमस्खलन होते हैं। सच में, अर्जुन वाजपेयी बहुत निडर, साहसी और मेहनती हैं।

इस बात का उत्तर देते हुए ताईजी बोली - बेटा, इतनी कामयाबी पाने के लिए मन में लगन, आत्मसंयम और नियमित अभ्यास करना बहुत ज़रूरी है।

तभी शिवि चहककर बोली - इसके लिए और ताकत की भी ज़रूरत है। जब हम अगली बार आपके पास नोएडा आएँगे तो अर्जुन भैया से मिलवाने लेकर चलेंगी न! इस बात पर ताईजी को हँसी आ गई और वे बोलीं - हाँ-हाँ ज़रूर चलेंगे।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ लेती हूँ जिनका उत्तर देने के लिए आप यहाँ तीन मिनट का समय लेंगे फिर उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. जीवन में सफलता पाने के लिए क्या आवश्यक है?
प्रश्न 2. एवरेस्ट पर चढ़ने वाले प्रथम भारतीय नागरिक कौन थे?
प्रश्न 3. एक पर्वतारोही को पर्वत से उतरने में किस तरह की कठिनाइयाँ आती होंगी?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। इन पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं —

उत्तर 1. जीवन में सफलता पाने के लिए नियमित अभ्यास, लगन और आत्मविश्वास की आवश्यकता है।

उत्तर 2. २९ मई, १९५३ को नेपाली मूल के भारतीय नागरिक प्रथम, एवरेस्ट पर चढ़ने वाले तेनसिंह नोर्गे शेरपा थे अर्थात्

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No 3

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएं - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ - 8 आसमान से ऊँचे हौसले)

तेनसिंह नोर्गे शेरपा भारतीय मूल के प्रथम नागरिग थे, जिन्होंने एवरेस्ट पर चढ़ाई की।

उत्तर उ. एक पर्वतारोही को पर्वत से उतरने में हिमस्खलन, गिरती चट्टानें, पर्वतारोही का गिरना, बर्फीली ढलानों का गिरना, बर्फीली ढलानों से गिरना, मौसम तथा ऊँचाई का खतरा, बर्फीली चट्टानों में फँसना (जैसे अर्जुन वाजपेयी फँस गए थे।) ऑक्सीजन की कमी आदि कठिनाइयाँ आती हैं।

अब यह पाठ समाप्त हुआ। आशा है सब बच्चों को यह पाठ समझ में आ गया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य :-

सब बच्चे पृष्ठ - 54 पर दिए पाठ बोध के प्रश्न 1 और प्रश्न 2 के उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ - 3)

Scanned with CamScanner